Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 19

No. of Printed Pages – 7

VU–01–Hindi (C) (Supp.)

यहाँ से काटिए

वरिष्ठ उपाध्याय पूरक परीक्षा, 2024

VARISHTHA UPADHYAYA SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2024

हिंदी (अनिवार्य)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) **निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए –** **[12]**

i) 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे' यह पंक्ति कवि के 'निम्नलिखित गीत संग्रह' से उद्धृत है – **[1]**

अ) आत्मपरिचय ब) जग जीवन
स) पतंग द) निशा निमंत्रण

ii) 'दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सकता है' कवि के अनुसार जिसे काम में लिया जा सकता है – **[1]**

अ) घंटी बनाने में ब) छत बनाने में
स) पतंग बनाने में द) तितली बनाने में

iii) आज का समय निम्न में से किसके वजूद को लेकर आशंकित है – **[1]**

अ) फूल को ब) कविता को
स) चिड़िया को द) घर को

iv) छोटे कद और दुबले शरीर वाली 'भक्तिन' का वास्तविक नाम निम्न में से है – **[1]**

अ) लछमिन ब) गोपालिका
स) महादेवी द) समृद्धि

v) 'आओ मुझे लूटो और लूटो । सब भूल जाओ, मुझे देखो ।' कथन में निम्नलिखित में से आमंत्रित करता है – **[1]**

अ) शैतान ब) परिणाम
स) बाज़ार द) मित्र

vi) निम्नलिखित में से किस उपन्यास में प्रेम को केन्द्र में रखकर निम्न वर्ग की हताशा, आर्थिक संघर्ष, नैतिक विचलन को चित्रित किया है – **[1]**

अ) गुनाहों का देवता ब) सूरज का सातवाँ घोड़ा
स) अंधा युग द) पश्यंती

vii) किसी भी भाषा को जानने के लिए निम्नलिखित में से किसे जानना भी अत्यन्त आवश्यक होता है – **[1]**

अ) व्याकरण ब) स्वभाव
स) प्रयास द) उच्चारण

viii) 'Resolution' शब्द का सही अर्थ है – **[1]**

अ) स्वीकृति ब) संकल्प
स) समीक्षा द) सिद्धान्त

ix) निम्नलिखित में से छपे हुए शब्दों का माध्यम है – **[1]**

अ) रेडियो ब) दूरदर्शन

स) अखबार द) इंटरनेट

x) रेडियो के लिए समाचार कॉपी करते समय निम्नलिखित किस बात का ध्यान रखना आवश्यक है – **[1]**

अ) साफ़–सुथरी और टाइप्ड कॉपी हो ब) दिखने वाले दृश्य अनुकूल हो

स) कम से कम शब्दों में ज्यादा खबर हो द) कैमरे से लिए गए शॉट्स हो

xi) निम्नलिखित में से कौनसी प्राचीन नगर सभ्यता ताकत के बल पर शासित होने की जगह आपसी समझ से अनुशासित थी – **[1]**

अ) गढ़ाकीपुर ब) महाकुंडपुर

स) मुहनजो–दड़ो द) नव कोलोनीज

xii) 'मंत्री मास्टर' कौनसा विषय पढ़ाते थे? **[1]**

अ) हिन्दी ब) गणित

स) विज्ञान द) संस्कृत

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **[6]**

i) हिन्दी को संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को भारत की ..... स्वीकार किया । **[1]**

ii) 'निष्पादन' के लिए सही अंग्रेजी शब्द ..... है । **[1]**

iii) ''गुडहल' का फूल बहुत सुन्दर है ।'' वाक्य में ..... शब्द शक्ति है । **[1]**

iv) जब किसी शब्द के मुख्यार्थ में बाधा हो या अभिधा से अभीष्ट अर्थ का बोध न हो तब अन्य अर्थ किसी लक्षण पर हो वहाँ ..... शब्दशक्ति निहित होती है । **[1]**

v) 'राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार ।' पंक्ति में ..... अलंकार है । **[1]**

vi) जब एक ही शब्द अथवा वर्ण समूह दो या दो से अधिक बार भिन्न – भिन्न अर्थों में प्रयुक्त हो, वहाँ ..... अलंकार होता है । **[1]**

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[6]**

स्वाधीनता मनुष्य का जन्म सिद्ध अधिकार है । मनुष्य तो क्या सृष्टि के छोटे – बड़े सभी प्राणियों को यह अधिकार समान रूप से प्राप्त है । जिस किसी भी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कारण से इस की अप्राप्ति ही पराधीनता कहलाती हैं । पराधीनता में प्राणी की प्रवृत्तियाँ कुंठित होकर रह जाती हैं । कई बार तो पराधीनता का भाव व्यक्ति की अन्य प्राणियों की सोचने – समझने तक की शक्तियों का अपहरण कर लेता है । इसी कारण सब प्रकार के स्वर्ग–सुख मिलने पर भी कोई प्राणी पराधीन बनकर रहना नहीं चाहता । सोने के पिंजरे में बंद तोता भी कभी सुखी नहीं रहता है । इसी भावना से अनुप्राणित होकर वह अपने पंख और सिर बार–बार पिंजरे की सलाखों से टकराता है ताकि उन्हें तोड़कर दूर गगन में, खुले आसमान में उड़ जाये या सघन सघन डालियों पर बैठकर उन्मुक्त मधुर स्वरों में गीत गाए ।

i) 'पराधीनता' का विपरीतार्थ छाँटकर लिखिए । **[1]**

ii) लेखक ने सोने के पिंजरे में बंद तोते के भाव के माध्यम से क्या अभिव्यंजना की है? **[1]**

iii) गद्यांश में प्रयुक्त 'तत्पुरुष समास' का उदाहरण लिखिए । **[1]**

iv) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **[1]**

v) गद्यांश में प्रयुक्त 'यण सन्धि' का कोई एक उदाहरण छाँटकर लिखिए । **[1]**

vi) पराधीनता कब अभिशाप बन जाती है? **[1]**

प्र.**4)** निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सभी प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – **[6]**

शांति नहीं तब तक जब तक
सुख–भाग न सबका सम हो ।
नहीं किसी को बहुत अधिक हो
नहीं किसी को कम हो ।
स्वत्व माँगने से न मिले,
संघात पाप हो जाएँ ।
बोलो धर्मराज, शोषित वे
जिएँ या कि मिट जाएँ?
न्यायोचित अधिकार माँगने
से न मिले, तो लड़ के
तेजस्वी छीनते समय को,
जीत या कि खुद मर के ।
किसने कहा पाप है? अनुचित
स्वत्व–प्राप्ति हित लड़ना
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना – मरना?

i) उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **[1]**

ii) कवि ने अशांति का क्या कारण बताया है? **[1]**

iii) इस पद्यांश में से गुण संधि का उदाहरण छाँटकर लिखिए । **[1]**

iv) कवि ने अधिकार के सम्बन्ध में कौनसे तर्क दिए है? **[1]**

v) 'असि' का पर्यायवाची शब्द लिखिए । **[1]**

vi) स्वत्व–प्राप्ति हित लड़ना पंक्ति में निहित कवि के मनोभाव को लिखिए । **[1]**

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए –

प्र.5) उलटा पिरामिड शैली को संक्षेप में समझाइए । **[2]**

प्र.6) 'ढोलक की उठती गिरती आवाज और पहलवान के संयोजित क्रिया कलापों का सामंजस्य दुर्लभ है ।' इस कथन में लेखक की लेखनी में निहित अद्‌भुत कर्म क्षमता को व्यक्त कीजिए । **[2]**

प्र.7) 'एक और कोशिश, दर्शक, धीरज रखिए ।' कवि की पंक्ति के आधार पर सामाजिक उद्‌देश्य से युक्त इस कार्यक्रम के प्रति अपने विचार संक्षेप में लिखिए । **[2]**

प्र.8) ''स्वास्थ्य के प्रति मुअनजो–दड़ो के बाशिंदों के सरोकार का यह बेहतर उदाहरण है ।'' अतीत में दबे पाँव के आधार पर प्रस्तुत कथन को अपने शब्दों में लिखिए । **[2]**

प्र.9) न. वा. सौंदलगेकर के कविता पढ़ाते समय प्रस्तुत काव्य ढंग को 'जूझ' पाठ के आधार पर व्यक्त कीजिए । **[2]**

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 10 से 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए एवं 14 व 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए –

प्र.10) 'उषा' कविता सूर्योदय के प्रकृति रंग के ग्रामीण परिवेश की जीवंत कल्पना करती है ।' इस कथन में कवि हृदय में आप्लावित भविष्य की उजास के शब्द चित्रण अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए । **[3]**

अथवा

'बादल के भीतर सृजन और ध्वंस की ताकत एक साथ समाहित है ।' इस पंक्ति के आधार पर किसान–मजदूर की आकांक्षाओं में निहित नवभारत निर्माण संदर्भित कल्पनाएँ व्यक्त कीजिए ।

प्र.11) 'मानव की जिजीविषा और विजययाता में हजारी प्रसाद द्विवेदी की अखंड आस्था है ।' इस कथन के आशय को मौलिक उद्‌भावनाओं के संदर्भ में समझाइए । **[3]**

अथवा

'दासता का सबसे व्यापक व गहन रूप सामाजिक दासता है ।' इस कथन को 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' के आधार पर समझाइए ।

प्र.12) जिम्मेदारी सर पर जल्दी पड़ गई तो जल्दी ही ज़िम्मेदार आदमी भी बन गया ।' इस कथन में निहित यशोधर बाबू की नयी पीढ़ी को आदर्श व्यक्तित्त्व के महत्वपूर्ण दिशा देने वाले मनोभावों को अपने शब्दों में लिखिए । **[3]**

अथवा

'माँ धूप में कंडे थाप रही थी – मैं बाल्टी में पानी भर–भरकर उसे दे रहा था ।' इस कथन में उपन्यासकार की किशोर होते विद्यार्थियों के जीवन संघर्ष की अनूठी झाँकी को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लिखिए ।

प्र.13) ''रेगिस्तान के जहाज़ से हवा के जहाज़ का यह ऐतिहासिक गठजोड़ है ।'' अतीत में दबे पाँव यात्रावृतांत के इसी संदर्भ में प्राचीन से अर्वाचीन विकास व्यवस्था–सुविधाओं के बारे में अपने विचार लिखिए । [3]

अथवा

''इसे तो ले लीजिए । यह मैं आपके लिए लाया हूँ ।'' इस कथन में 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर भूषण के मनोभाव एवं पुरानी पीढ़ी के प्रति रवैये को व्यक्त कीजिए ।

प्र.14) विशेष रिपोर्ट के प्रकार एवं विशेषताएँ विस्तारपूर्वक समझाइए । [3]

अथवा

विशेष लेखन में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कौन–कौनसे विभिन्न पहलुओं का ध्यान रखना चाहिए?

प्र.15) 'रघुवीर सहाय' का कवि परिचय लिखिए । [4]

अथवा

धर्मवीर भारती का लेखक परिचय लिखिए ।

खण्ड – द

प्र.16) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – [6]

अंगना–अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं ।
धनी, वज्र – गर्जन से बादल !
त्रस्त – नयन मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर !
चूस लिया है उसका सार,
हाड़–मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी ।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी'?
बेदहूँ पुरान कही, लोक हूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबैं पै, राम! रावरें कृपा करी ।
दारिद–दसानन दबाई दुनी दीनबंधु !
दुरित– दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

प्र.**17)** निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – **[6]**

तुलसीदास ने अफ़सोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी – 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना ।' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है । सुनता कौन हैं? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं जिनमें प्राण कण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते है । दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरन्तर चल रहा है । मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने है, वही देर तक बने रहें तो कालदेवता की आँख बचा जाएँगे । भोले हैं वे । हिलते – डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो । जमे कि मरे ।

अथवा

यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श – समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा । क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श – समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके । ऐसे समाज के बहु विधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए ।

सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए ।

प्र.**18)** आयुक्त, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल में कार्यालय सामग्री क्रय करने हेतु निर्धारित प्रारुप में 'निविदा' लिखिए । **[4]**

अथवा

नगर निगम, अबस में विभिन्न पदों पर आवेदन आमंत्रित करने हेतु समाचार पत्र में प्रकाशानार्थ एक विज्ञप्ति लिखिए ।

प्र.**19)** निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए । (शब्द सीमा 300 शब्द) **[5]**

(1) स्वच्छ भारत अभियान

(2) बेरोजगारी – समस्या और समाधान

(3) डिजिटल बोर्ड का महत्त्व

(4) दहेज – दानव

DO NOT WRITE ANYTHING HERE